

सफर के साथ कृषि उत्पादों को भी रफ्तार देगा गंगा एक्सप्रेस-वे

पश्चिमी व पूर्वी यूपी की कनेक्टिविटी अच्छी होने से फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को मिलेगा लाभ, अमरोहा के आम, प्रतापगढ़ के आंवला, प्रयागराज के अमरूद को मिलेंगे नए बाजार

■ **NBT निपट, लखनऊ** : 29 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी मोटी मेरठ से प्रवर्गलन तक की प्रदेश के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण करेंगे। 594 किलोमीटर लंबा ये एक्सप्रेस-वे सिर्फ लोगों के सफर को ही आसान नहीं बनाएगा, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश की दूरी कम होगी। जिससे दोनों क्षेत्रों के उत्पाद कम से कम समय में पहुंच सकें। खासतौर पर कृषि उत्पाद जो अभी तक अच्छी कनेक्टिविटी न होने के चलते किसानों को असमर्थ के ही बाजारों में बेचना पड़ता था। जानकार बताते हैं कि इससे सबसे बड़ा लाभ मेरठ के खेल उत्पाद, अमरोहा के आम और इनकी बड़े उत्पाद, प्रतापगढ़ के आंवला और प्रयागराज के अमरूदों को मिलेगा। कनेक्टिविटी अच्छी होने की वजह से इन कृषि उत्पादों को नए बाजार मिलेंगे। साथ ही किसानों को अच्छे कीमतें मिलेंगी।

इन कृषि उत्पादों की खेती को मिलेगा लाभ: अमरोहा के आम, गन्ना, मीरगा घाटल और मंडी पंचायत क्षेत्र आम के लिए जाने जाते हैं। यहां

कहां कितने एरिया में बनेगा क्लस्टर

गंगा एक्सप्रेस-वे	
मेरठ	529 एकड़
लखनऊ	333 एकड़
बदायूं	269 एकड़
संभल	591 एकड़
हरदोई	335 एकड़
शाहजहाँपुर	252 एकड़

इन जिलों से होकर गुजरेगा एक्सप्रेस-वे

●मेरठ ●हापुड ●बुलंदशर
●अमरोहा ●संभल ●बदायूं
●शाहजहाँपुर ●हरदोई
●उन्नाव ●रायबरेली
●प्रतापगढ़ ●प्रयागराज



गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे बनेंगे 6 क्लस्टर

इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे 6 इंडीपेंडेंट मैनुफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर बनाए जाएंगे। ये क्लस्टर मेरठ, लखनऊ, बदायूं, संभल, हरदोई और शाहजहाँपुर में बनेंगे। इसमें सबसे बड़ा क्लस्टर संभल में प्रस्तावित है, जहां 591 एकड़ में क्लस्टर का निर्माण किया जाएगा। वहीं, मेरठ में 529 एकड़ में क्लस्टर बनाया जाएगा।

के बागों में लगने वाले टकराव, वीसा, लमड़ा, सफ़ा (कन्यापाली), फजली और रामकेला आम की मिठाई उत्तर भारत के बाजारों में खास पहचान रखती है। गन्नाल और हासपुर की फल मिठाई लंबे समय से आम बाजार का बड़ा केंद्र रही है। यहां से हर साल हजारों टन आम दिल्ली-पनारीआर, मेरठ, नवपुर और लखनऊ की मंडियों

में भेजे जाते हैं। स्थानीय व्यवहारों के अनुसार गंगा एक्सप्रेस-वे बनने से अमरोहा से दिल्ली और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बाजारों तक पहुंचने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इससे टकराव और वीसा जैसे कल्टी फलने वाले आम भी तान टालन में बड़े बाजारों तक पहुंच सकेंगे और किसानों को उनकी फसल की अच्छी कीमत मिलेगी।

दूसरी ओर प्रतापगढ़ जिले के लालगंज, कुंआ, बाबागंज, सर्गपुर और मनीकपुर क्षेत्र आंवला उत्पादन के प्रमुख केंद्र हैं। प्रतापगढ़ का आंवला देश में सबसे ज्यादा उत्पादन वाले क्षेत्रों में शामिल है और इसे नी आई टैग भी मिल चुका है।

प्रतापगढ़ के किसान मुख्य रूप से एनए-7, एनए-6, बनरसी, चकिया और कृष्ण किरीम के

आंवले की खेती करते हैं। इन किस्मों के आंवले अकार में बड़े और क्वालिटी-में से भरपूर होते हैं, जिसके कारण आधुनिक और फूड प्रेसिंग कंपनियों में इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। गंगा एक्सप्रेस-वे शुरू होने के बाद प्रतापगढ़ से लखनऊ, प्रयागराज और दिल्ली जैसे बड़े बाजारों तक माल पहुंचाना आसान हो जाएगा। इससे

प्रीमियम आंवला उत्पादों की सरलई वैन मालवा होगी और छोटे उद्योगों को भी बड़ा बाजार मिलेगा। मेरठ के खेल उत्पादों को लखनऊ समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत डिमांड है। एक्सप्रेस-वे बनने से मेरठ के स्पोर्ट्स मैनुफैक्चरर्स को लाभ मिलेगा। कुछ ऐसा ही लाभ प्रयागराज के अमरूद को भी मिलेगा।

एक्सप्रेस-वे क्यों हैं जरूरी?

विश्वी भी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में सबसे बड़ा पैमाना सड़क। इफरदरकरा वैचार होने से कनेक्टिविटी

बढ़ती है, जिससे सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगता है। गंगा एक्सप्रेस-वे

मेरठ से प्रयागराज तक होगा, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश सीधे पूर्वी बागों से जुड़ेगा। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से दूसरे राज्य में भी यूपी के कृषि उत्पाद आसानी से भेजे जा सकेंगे। साथ ही ये एक्सप्रेस-वे से कावासी से भी जुड़ेगा। कावासी से जुड़ने के बाद (कावासी-हरिदोहा) कटर वे से पोर्ट तक समान वन समय में और किफायती दूरी पर पहुंच सकेंगे। जिससे नए बाजार उल्लस्य होंगे। साथ ही एक्सप्रेस-वे में इन्फ्रास्रक्चर होगा।